

प्रेस विज्ञप्ति

लोक भवन, राँची

दिनांक : 14 अक्टूबर, 2026 :-

- (1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज रामगढ़ जिलान्तर्गत राजाबेड़ा, ईचापुरी एवं बरतुआ स्थित एकल अभियान के अंतर्गत संचालित एकल विद्यालयों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों, अभिभावकों एवं ग्रामीणों से संवाद कर विद्यालयों की गतिविधियों, बच्चों की शिक्षा तथा स्थानीय समस्याओं की जानकारी ली।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि देश का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, इस दिशा में एकल अभियान महत्वपूर्ण प्रयास कर रहा है। विशेषकर दूरस्थ एवं कम आबादी वाले क्षेत्रों में, जहाँ सरकारी विद्यालयों की उपलब्धता चुनौतीपूर्ण है, एकल विद्यालय शिक्षा की पहुँच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने इन विद्यालयों में बच्चों को शिक्षित करने वाले शिक्षकों के समर्पण एवं योगदान की सराहना की।

माननीय राज्यपाल ने बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ने, मेहनत करने, जिज्ञासु बने

रहने तथा अपने सपनों के अनुरूप लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने माननीय राष्ट्रपति महोदय के संघर्षपूर्ण जीवन का उल्लेख करते हुए बच्चों से उनके जीवन से प्रेरणा लेने को कहा। उन्होंने कहा कि बच्चे देश की अमूल्य धरोहर हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को नियमित रूप से पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें तथा उन्हें बाल मजदूरी से दूर रखें। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा और पोषण, दोनों पर ध्यान देना आवश्यक है और सरकार इस दिशा में गंभीर है। शिक्षित एवं सक्षम बच्चे ही समाज और राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इस क्रम में राज्यपाल महोदय ग्रामीणों की समस्याएँ भी सुने।

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि दुर्गा पूजा हमारी आस्था, आध्यात्मिक चेतना और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का महत्वपूर्ण पर्व है। माँ दुर्गा शक्ति, साहस और करुणा की प्रतीक हैं। यह पर्व बुराई पर अच्छाई तथा अन्याय पर न्याय की विजय का संदेश देने के साथ सभी को सत्य के मार्ग पर चलने और कठिन परिस्थितियों का साहसपूर्वक सामना करने की प्रेरणा देता है। राज्यपाल महोदय आज श्री रामलला पूजा समिति द्वारा जिला स्कूल परिसर में आयोजित दुर्गा पूजा पंडाल के उद्घाटन के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। विदित हो कि यह पंडाल वाराणसी स्थित सर्ववेद महामंदिर धाम के प्रारूप पर आधारित है।

राज्यपाल महोदय ने नवरात्रि एवं दुर्गा पूजा के अवसर पर सभी राज्यवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए माँ दुर्गा से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि माँ दुर्गा की आराधना नारी शक्ति के प्रति हमारी श्रद्धा और सम्मान को भी अभिव्यक्त करती है। महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तीकरण समाज की प्रगति के

लिए आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास करना चाहिए, जहाँ प्रत्येक बेटी को अपनी प्रतिभा विकसित करने तथा जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा जैसे पर्व समाज के विभिन्न वर्गों को एक साथ लाते हैं, आपसी मेल-जोल बढ़ाते हैं और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि झारखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराएँ गौरव का विषय हैं। ऐसे आयोजन सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजने तथा सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राज्यपाल महोदय ने माँ दुर्गा से सभी को शक्ति, सद्बुद्धि और सेवा-भाव प्रदान करने तथा झारखण्ड सहित पूरे देश में शांति, सद्भाव और समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की। उन्होंने सभी से अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए सशक्त और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।
